वेशक

राहित लाहा, व्यार राचित् उत्तरसम्बद्धारम् ।

रोवाग

विस्तितिकारी जसमित्रकारा

deasil falign

क्षानी हिमा । अधिक आ

निषय वैक्राशामपुरिता प्रयुक्ता को पाम भगरीका सहसील किव्छा में वैद्रौल गम्म की रणापना हैतु कुल 0,280 हैंक भूमि कम करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में ।

मान्यस

भागित विद्यान आगो एउ संस्था है स्वाहित्य / 2006 विद्यान है है है की श्री श्री विद्यान पहिल्ले के स्थान स्थान की विद्यान हों। तस्तराचन (स्वाहत प्रतिक्रि विद्यान हों। तस्तराचन (स्वाहत प्रतिक्रि विद्यान एक प्रतिक्रि विद्यान एक प्रतिक्रित विद्यान एक विद्यान एक विद्यान प्रतिक्रित (स्वाहत प्रतिक्रित विद्यान एक विद्यान प्रतिक्रित विद्यान एक विद्यान प्रतिक्रित (स्वाहत विद्यान वि

 केता चाल-129- ला को दावीन विशेष क्षेत्री का भूमिदार बना रहेगा और ऐसा गुनितः गतिथ के तंत्रल राज्य शरकार या जिले को कलीवहर, जैसी भी रिश्वति हो की दानुगति त ही गुनि कम करने के लिमें उर्छा होगा।

20 मोता तेल या मिलीय शरणाओं से अहण प्राप्त करने के सिथे अपनी भूमि कनक या वृति चनित्रत कर सकेन' तथा मारा-129 के अन्तर्गत मूनिधरी अभिकारों से प्राप्त होने वान अन्य लोगों को भी महाप कर सकेगा।

उ- वेता द्वारा कात की गई भूगि का लपयोग दो वर्ष की अवधि के व्यवस्थ जिसका नामना गुणि यो विकास विकास के पंजीकरण की लिएन से की लायेगी अथवा उत्पक्त बाव ऐसी क्यांगी में अन्तर जिसकी संख्य संस्कार द्वारा ऐसे कारणों से विकास विकास क्या में वाधितिक्षत जिसा जागा, हासी प्रशाबन के लिये करेगा जिसके द्विति अनुका प्रदास की

गई है। यद के ऐसा गहीं करता अथना नस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गंधा था. जरास किना किसी अन्य प्रशांजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनाथे क्य किया नहां का नवसं विना प्रयोजन के लिये विकास उपहार मा अन्यशा भूमि का अनुस्था कामा 💆 मा भूसा अन्तरण उत्तरा अधिविद्यम के प्रयोजन हेतु शुन्य हो जारोगा और वारा -187 के परिचान समू होगे।

जिस मूर्नि का संक्रमण प्रस्तावित है तसके भूरवामी अनुसूचित जनजाति के न हो ओर अनुस्कित जाति के भूमिधर होने की रिवारी में भूमि कथ से पूर्व सम्पर्कित

जिलानिकारी से निसमानुसार अनुसनि प्राप्त की जासेगी।

जिस गृमि का राजमण प्रकामित है सरावी भूरवामी असकमणीय अधिवार गाने भूमित्र न हो।

माता सङ्ग्राह अध्यक्त क्यांगार्ध करा का काट करे।

गुवरीय,

(सोहन सात) वापर शक्ति।

संख्या एवं तद्दिनांक।

प्रतिक्षिपि निम्नसिखिल को सूचन्छर्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपित

भूराम शासरम जागूमत, उत्ताशामस, वेहरसङ्ग । 1

अधुवत, बुवायु मण्डल, नैनीताल। 7

तथिय साहा ए। नागरिक आपूर्ति विभाग , उत्तराचल शारान। 3-

थी दिनश अग्रवाहर, साझेवार की श्यामपुरिया प्रमुल्स, निवासी गावल कालोनी - 1 रूवपुर तास्त्रील कितल जिला उधमरिक्षनगर।

निर्देशक एनव्याई०री०, नतासम्ब सचिवालय।

Ingel!

(राहिंग लाल) अधर राचित